

विषय: पत्रावली का कार्यवाही अनिश्चितता

नगर एवं ग्रामीण विकास विभाग  
जयपुर

११/०६/२२

पत्रावली पेश हुई। वकूलाय पक्षकारान उपस्थित।  
पीठासीन अधिकारी दीगर राजकीय कार्य में व्यक्त हैं।  
दौरे पर है। मीटिंग में है। गतानुसार कार्यवाही हेतु पत्रावली  
दिनांक १५/०६/२२ को पेश हो।

रिडर

१५/०६/२२ ~~बाबू पत्रावली पेश हुई। वकील वादी उपस्थित~~  
~~जाये। वकील वादी ने वास्तु सखी प्रतिवादी गण~~  
~~समय वाला जबकि पूर्व में भी कई बार उपस्थित~~  
~~न्यायपत्र में अन्तिम अवसर विधि धर्म के~~  
~~अपरान्त वकील वादी ने अतिनाक तक विनाक~~  
~~२३/०७/२०२० में जारी सखी बाबत आदेशों को पालना~~  
~~नहीं की है। अतः काबलकार विना को ध्यान में~~  
~~रखते हुए वास्तु सखी प्रतिवादी गण न्यायपत्र में~~  
~~पूर्व अन्तिम अवसर विधि धर्म पत्रावली~~  
~~दिनांक १५/०६/२२ को पेश ही अन्याय प्रकरण~~  
~~अल्प अंदायगी अनुपालना में बागामी~~  
~~नियत विनाक को खारिज कर दिया जावेगा।~~

१५/०६/२२

~~बाबू पत्रावली पेश हुई। वकील वादी उपस्थित~~  
~~जाये। वकील वादी ने वादी के वाद को नोट~~  
~~पूर्व में खारिज किया जाने का निर्णय किया।~~  
~~स्वीकार किया जाकर प्रकरण की अन्तिम~~  
~~कार्यवाही इसी स्तर पर होप की जाती है।~~  
~~पत्रावली घेतल हुआट होकर अखबर से कम~~  
~~हो बाद स्क्रीनल जमा किया लेख अखबर~~  
~~हो। सुनाया गया।~~

Not Recd  
95

मा. 11/12 परावली फा. दुई। वकील प्राणी आशिल्ल आहे।  
वैकि आद्य प्राणी की मूल दवा परावली मोर  
प्रेस में वारिज की जा चुकी है। अतः  
प्रा. पर परावली का कोई साधन नहीं रह  
गया है। अतः यह प्रा. पर परावली भी मार

12/11/12  


हुक्म या कार्यवाही इनिशियल्स जज

प्रेस में खरिद की जाकर पत्रावली की इतिहास  
 कार्यवाही अभी एतर पर प्रेष की जाती है।  
 पत्रावली को सब सुधार होकर नंबर से कम  
 हो। बाकि मकनील संलग्न मूल दवा पत्रावली  
 रहे। सुनाया गया है।

